

ASHA ARCHIVES
3215

ASHA ARCHIVES
3215

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

10/10/15

ॐ नमः शिवाय नमः ॥ नवत्रय शान ॥ नासि य ॥ ना
सयाय ॥ अथोस्तु यनयय ॥ धनं खन मम र्क दाय
॥ नमः कंदू ग नवयूय ॥ मूलमनु यत्रय र्क खन द
य ॥ सिधत्र नव सु रि का द व र्क द ता क यिक वी
य ॥ धन पूजा ॥ ऊँ नमः ॥ ऊँ नमः ॥ ऊँ नमः ॥ ऊँ नमः
॥ ऊँ नमः ॥ ऊँ नमः ॥ धन धन द्या ॥ हिल खन दाय
मूलमनु न धा १० जयत्रय ॥ वस रुि न य मूलमनु य
नया ॥ यिक आय ॥ नमः र्क खन दाय मूलमनु न ॥

अहा मूलमनु न धया देव न दिन याय ॥ धन रि का द व
र्क द ता क यिक वी य यत्रय ॥ पूजा याय ॥ नां अग्नि म
उलाय नमः ॥ ३ ॥ कल म का या ॥ मेल ॥ ऊँ पूजा य दृष्ट ॥
पूय दृष्ट ॥ योषट् ॥ श्वय ॥ ऊँ अत्र गुं ० न ॥ गल या न म
कल न का न दिन दृष्ट ॥ मूलमनु य लया ॥ श्री म कल न म
सय यो मि नमः ॥ पूजा ॥ ऊँ स य म ध लाय नमः ॥ धन पू
जा या का ॥ र्क खन ॥ मूलमनु य वी र्थ ल ख र्ग म ऊ ल न
य व व न ल ल य ल ॥ हा य ल र्क रि का द व न अत्र न खान
उल ॥ ल गत पि ला य द वी न अत्र दृष्ट या ल य ॥ क

नेहात्रकवा ॥ नमः ॥ पूजायाय ॥ ५४ साममधुलाय नमः ॥ ३
 ॥ पूजानयय ॥ नैकात्रकय, मदसा, तडासिनय, गानकय
 क, स्नानय, कृष्ण, सिधरनहाल ॥ वन, सिधर, दधि, जजम,
 कर्पूयगाय, र्पचयगाय, स्नान, अद्वात्र ॥ धन ॥ वलिवाया
 ॥ निखकर्मयाथ पूजायाय ॥ र्पचवलिवायमाले ॥ ध
 धा, गरि, पाण, ध्वं ०, पूय, दिव, नैवद्य, जय, सुष्ठ, नमस्त
 न, नैनकाडा, विसृज्जनयायमगण, स्नानकाकयमगण
 ॥ दकावमुष्ठाधनयाकाडाकायमान, ध्वं ० नमस्तयाग,

धन, स्नानविय, समवकाय ॥ नैवद्ययाय ॥ धनयिय ॥
 नासिय, नासयाय ॥ दनयागण, सिद्धादविय ॥ थडाग
 आसिद्धादकाय, लखनमकुलथल, सूर्यसाक्रिथाय ॥
 दगकर्म, लसाक्रीतिग्रीसूर्याय नमः ॥ धन, नुडागण
 विधि ॥ क्रिथ, पूजाउथमानकृता ॥ श्रीरवाचिनमः ॥

॥ ८७ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥
 ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥

ASHA ARCHIVES

3215

१॥ अत्र ह नम ॥ श्री ग ॥ असाय नम ॥
कृष्ण नम ॥ असाय नम ॥ असाय नम ॥
जय यदि ॥ या व च ॥ असाय नम ॥
हीनि जला व ह ॥ ना व ल सु चि न
आ न व न ॥ असाय नम ॥

१॥ अत्र ह नम ॥ असाय नम ॥ असाय नम ॥
सर्व ॥ असाय नम ॥ असाय नम ॥
आमा ॥ असाय नम ॥ असाय नम ॥
य न व न ॥ असाय नम ॥ असाय नम ॥
नाय हो ने ॥ असाय नम ॥ असाय नम ॥

